डॉक्टर की मौत को लेकर कार्रवाई की मांग, परिजनों ने हंगामा किया

बारां के कोयला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉक्टर का शव नदी में मिलने का मामला

कोटा, (निसं)। बारां जिले की कोयला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉ. वैभव चावला की लाश पार्वती नदी में मिली थी। इस मामले में शुरुआत में आत्महत्या करने की बात सामने आई थी लेकिन पुलिस ने उनके पिता की शिकायत पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। साथ ही इस मामले में दो चिकित्सक और दो स्वास्थ्य कर्मियों के नाम भी मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

दूसरी तरफ परिजनों ने शनिवार को कोटा महानिरीक्षक पुलिस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान मृतक के परिवार की महिलाएं बेसुध हो गईं। साथ ही कार्यालय में ही धरने पर बैठ गईं। काफी देर चले धरने प्रदर्शन में आईजी कार्यालय में हंगामा होता रहा। मौके पर एडिशनल एसपी बेनी प्रसाद मीणा पहुंचे। बावजूद इसके काफी देर तक लोग नहीं माने। बाद में इन्होंने आईजी को ज्ञापन दिया। साथ ही इस पूरे प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग कर दी। इसके अलावा उन्होंने

कोटा आईजी ऑफिस पर मृतक डॉक्टर के परिजनों ने धरना दिया।

हत्या में डॉक्टर और स्टॉफ के शामिल होने का आरोप लगाते हुए उन्हें जल्द गिरफ्तार करने और फांसी की सजा देने की मांग भी की है।

प्रदर्शन कर रहे रोहित आर्य का कहना है कि बारां जिले में 18 मई को डॉ. वैभव चावला का शव कोटडी सूंडा गांव में मिला था। इस मामले को पुलिस ने पहले आत्महत्या माना लेकिन बाद में सीसीटीवी सामने आया था कि घटना के दिन उसे बाइक पर बैठाकर दो अस्पताल कार्मिक लेकर जा रहे थे। दूसरी तरफ डॉ. वैभव चावला तैरना जानते थे। ऐसे में नदी में डूबने की घटना गलत है। जब वह डूब रहे थे तो उन्होंने किसी व्यक्ति की मदद भी नहीं ली। यह भी संशय के घेरे में है। उनका दावा है कि डॉ. वैभव चावला से कई चिकित्सक रंजिश भी रखते थे। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए।

मृतक के पिता गोपाल लाल आर्य का कहना है कि घटना के समय बाइक, जूते और उसका मोबाइल भी नहीं मिला है। डॉ. वैभव के साथ नदी की तरफ दो अस्पताल के कर्मचारी भी गए थे लेकिन पुलिस ने इस घटनाक्रम में अभी तक कुछ भी नहीं कहा है इसीलिए यह चिंता का विषय है। डॉ. वैभव मूल रूप से कोटा जिले के इटावा निवासी हैं।

बारां के एडिशनल एसपी राजेश चौधरी का कहना है कि प्रकरण में मृतक के पिता गोपाल लाल आर्य की शिकायत के आधार पर ही हत्या की धाराएं जोड़ी गई हैं। इसकी जांच बारां के पुलिस उपअधीक्षक ओमेंद्र सिंह शेखावत कर रहे हैं।

पुलिस उपअधीक्षक ओमेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि मामले में नर्सिंग अधीक्षक, सेक्टर हेल्थ सुपरवाइजर के साथ पूर्व बीसीएमएचओ और पूर्व सीएमएचओ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है जिसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

जमीन विवाद में हत्या करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। झाड़ोल थाना पुलिस ने जमीन विवाद में प्राणघातक हमला कर व्यक्ति की हत्या करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार गोपालसिंह पुत्र धनसिंह निवासी बेलनिया झाड़ोल ने 21 मई को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बतायाकि रात में आठ बजे गणपत सिंह, मनोहर सिंह, गजेसिंह व तेजसिंह ने पत्थर व तलवार से हमारे परिवार पर हमला कर दिया, जिससे मेरे पिता धनसिंह, भाई नाहरसिंह तथा मेरे गंभीर चोटें आईं। गंभीर घायल धनसिंह की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक नेत्रपालसिंह के सुपरविजन में फलासिया थानाधिकारी सीताराम के नेतृत्व में गठित दल ने मिले साक्ष्यों के आधार पर हत्या के आरोपी गणपतसिंह पुत्र कुबेरसिंह, मनोहरसिंह पुत्र कुबेरसिंह, तेजसिंह पुत्र कुबेरसिंह तथा गजेसिंह पुत्र मनोहरसिंह निवासी वेलनिया झाड़ोल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि धनसिंह को अपनी काकी के गोल लिया हुआ था उसके बाद से धनसिंह को ढाई बीघा जमीन खेती करने के लिए दे रखी थी। लेकिन जमीन का इन्द्राज धनसिंह के नाम नहीं हुआ। इसी कारण गणपत सिंह द्वारा उक्त सामलाती जमीन के कुछ हिस्से को खातेदारों से खरीद कर गणपतसिंह के नाम करा दी व उक्त खेत की जुताई कर दी। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके चलते धनतसिंह की मौत हो गई।

चांदगोठी के मोहल्ला अम्बेडकर में पेयजल संकट गहराया

सादुलपुर, (निसं)। ग्राम चांदगोठी के मोहल्ला अम्बेडकर में पानी की सप्लाई दो-तीन दिनों के बाद अर्थात् चार-चार दिनों से होने के कारण मोहल्ला में पेयजल संकट गहराया हुआ है।

मोहल्लेवासियों ने बताया कि पेयजल सप्लाई दो-तीन दिनों के अन्तराल से होने के कारण गर्मी के मौसम में पीने के पानी की किल्लत चल रही है। अमर सिंह मिरासी ने बताया कि चांदगोठी के मोहल्ला अम्बेडकर में मेघवाल, धानक एवं मिरासी समाज के परिवार निवास करते हैं और यह मोहल्ला गांव में पानी की लाइन के अंतिम छोर पर है, इसलिए इस मोहल्ले में पानी पहुंचते-पहुंचते बीच रास्ते में ही खत्म हो जाता है।

इस संबन्ध में ग्रामीणों ने सांसद राहुल कस्वां, विधायक मनोज कुमार न्यांगली, विनोदजी प्रधान पंचायत समिति राजगढ़ जिला चूरु, सुमित्रा भाजपा प्रत्याशी, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनियां, भरथ सिंह सरपंच ग्राम पंचायत चांदगोठी, डॉ. सतपाल चाहर जिला पार्षद, कृष्णा पूनिया पंचायत समिति सदस्य, अधीक्षण अभियन्ता जलदाय विभाग चूरु, सहायक अभियंता जलदाय विभाग राजगढ़, कनिष्ठ अभियंता जलदाय विभाग चांदगोठी सभी से करबद निवेदन कर पेयजल संकट से राहत प्रदान करवाने की मांग की है।

जमीन विवाद की रंजिश के चलते रास्ते में गाड़ी रुकवाकर मारपीट की

हनुमानगढ़, (निसं)। जमीन विवाद की रंजिश के चलते रास्ते में गाड़ी रुकवाकर मारपीट करने, लट्ठ मारकर गाड़ी के शीशे तोड़ने, नकदी भरा पर्स व सोने का ताबीज छीनने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सदर पुलिस थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

- **गाड़ी के शीशे तोड़ने, नकदी भरा पर्स व सोने का ताबीज छीनने का आरोप**

पुलिस के अनुसार गिरधारी लाल (45) पुत्र कुरड़ाराम मेघवाल निवासी चक 37 एसएसडब्ल्यू, सहजीपुरा ने लिखित रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि देवीलाल, वीरू, विनोद पुत्र भादरराम, बलवंत, भादरराम पुत्र लिछमण राम, अनिल पुत्र भागीरथ, हंसराज पुत्र सोहनलाल, नितेश पुत्र हंसराज निवासी सहजीपुरा उसके साथ जमीन विवाद के चलते रंजिश रखते हैं और उसे एवं उसके परिवार को जान-माल की क्षति कारित करने की फिराक में रहते हैं। इसके लिए उसने पूर्व में इन लोगों को पाबंद करने के लिए प्रार्थना पत्र एवं एसडीएम के समक्ष इस्तगासा प्रस्तुत किया हुआ है। वह, विमला देवी, कमला देवी, ताराचंद, गिरधारी, कृष्णलाल अपने खेत में बनी ढाणी से किसी कार्य से हनुमानगढ़ आ रहे थे। गाड़ी ताराचंद चला रहा था। जब वे गांव के पास पहुंचे तो उक्त लोगों के अलावा मदनलाल पुत्र गोकलराम नायक, सोनू पुत्र सेवा सिंह बावरी निवासी सहजीपुरा व 7-8 अन्य लोग गांव सहजीपुरा से पहले हड्डा रोड़ी के पास हाथ में लाठी, गंडासी व पत्थर के टुकड़े लेकर खड़े मिले। इन लोगों ने गाड़ी रूकवा ली। हंसराज व अनिल ने ताराचंद का गला पकड़ नीचे पटकने का प्रयास किया। हंसराज व अनिल ने ताराचंद की जेब में से पर्स निकाल लिया, जिसमें दस हजार रुपए थे। देवीलाल व विनोद ने विमला के सिर में लट्ठ मारने के लिए पहले शीशे पर वार किया। शीशा टूटने पर दूसरी बार कमला व विमला पर किया और थाप-मुक्कों से मारपीट की। विमला ने गाड़ी की सीट के नीचे घुसकर अपनी जान बचाई। पीछे खड़े भादरराम, मदनलाल व सोनू ने गाड़ी के पिछले शीशे लट्ठ मारकर तोड़ दिए।

शीशे टूटते ही मदनलाल, सोनू तथा वीरू ने कमला को खींचकर नीचे पटकना चाहा। इन लोगों ने कमला के गले में पहना सोने का ताबीज निकाल लिया। गाड़ी तेज होने पर इन लोगों ने उन्हें जान से मारने के लिए पीछे से पत्थर फेंके। कमला व गिरधारी के कंधे पर पत्थर लगने से चोट लगी। हंसराज व भादर ने गालियां निकाली। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान एएसआई कुलदीप मीणा के सुपुर्द किया है।

बीकानेर के यात्रियों के दल के लोगों से केदारनाथ में मारपीट

बीकानेर, (निसं)। देश के विख्यात पर्वतारोही मगन बिस्सा की पत्नी सुषमा बिस्सा और उनके परिवार के साथ केदारनाथ में कुछ लोगों ने मारपीट की है। इसके बाद वहां हंगामा हो गया। घटनाक्रम की शिकायत मौके पर तैनात सुरक्षा बलों से भी की गई। हालांकि इसके बाद भी सुरक्षा के इंतजाम नहीं हुए। सुषमा बिस्सा स्वयं देश की विख्यात महिला पर्वतारोही है।

- **बीकानेर से 35 यात्रियों का एक दल गया हुआ था, दर्शन करने को लेकर झगड़ा हुआ**

जानकारी के अनुसार बीकानेर से करीब 35 यात्रियों का एक दल केदारनाथ और बद्रीनाथ के लिए रवाना हुआ था। इसमें पर्वतारोही सुषमा बिस्सा और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल थे। सुषमा के बेटे रोहिताश बिस्सा ने केदारनाथ से फोन पर बताया कि 35 लोगों का ग्रुप केदारनाथ आया था। इस ग्रुप के कुछ सदस्यों ने रुपए देकर वीआईपी दर्शन कर लिए, लेकिन सुषमा बिस्सा ने रुपए नहीं दिए। सुबह साढ़े तीन बजे लाइन में लगी। करीब दस घंटे की मशक्कत के बाद मंदिर के पास पहुंचते ही पट बंद हो गए। रोहिताश बिस्सा ने बताया कि आमतौर पर दो घंटे में नंबर आ जाता है लेकिन यहां लोगों को अवैध तरीके से लाइन तोड़कर दर्शन के लिए आगे बढ़ाया जा रहा था। इसका विरोध करने पर स्थानीय लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। सुषमा बिस्सा के साथ सबसे पहले मारपीट की गई। बीच-बचाव करने गए रोहिताश के साथ भी मारपीट की। रोहिताश के एक हाथ की अंगुली पर चोट लगी, जिससे खून बहने लगा, जिस मोबाइल से मारपीट करते हुए का वीडियो बनाया गया, उसे भी तोड़ दिया गया। वीडियो छीनकर सुषमा बिस्सा के मुंह पर मारा गया, जिससे उन्हें चोट लगी। मौके पर आए सुरक्षा बलों ने बीच बचाव किया लेकिन तब तक स्थानीय लोग मारपीट करते रहे। इस दौरान एक युवक को पकड़कर सुरक्षा बलों को सौंपा गया लेकिन वो वहां फरार हो गया। केदारनाथ ट्रस्ट से जुड़े अधिकारियों और सुरक्षा बलों को शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई इन बदमाशों पर नहीं हुई।

देश के विख्यात पर्वतारोही दिवंगत मगन बिस्सा का ये पूरा परिवार ही पर्वतारोही है। सुषमा बिस्सा स्वयं बच्छेंद्री पाल के साथ एवरेस्ट पर चढ़ाई कर चुकी है। इसके अलावा उनके बेटे रोहिताश बिस्सा भी पर्वतारोही है और लोगों को पर्वतारोहण का प्रशिक्षण देते हैं।

कुएं में ब्लास्ट कर मछलियां मारने का आरोप

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

उदयपुर, (निसं)। जिले के सायरा क्षेत्र में शनिवार को एक कुएं में मछलियां मरी हुई मिली। रोजाना की तरह ही आज सुबह ग्रामीण कुएं पर पहुंचे थे। वहां पर कुएं के बाहर मछलियां तड़प रही और कुछ मर चुकी थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि किसी असामाजिक तत्व ने ब्लास्ट कर मछलियों का मार दिया। घटना सायरा से करीब दो किलोमीटर दूर ब्राह्मणों का कलवाना गांव की है।

ग्रामीणों ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौके की स्थिति से लग रहा है कि किसी असामाजिक तत्व ने कुएं के वहां पर ब्लास्ट किया और मछलियों का मार दिया। गांव के लाला भाई ने बताया कि पूरे गांव के लिए यह कुआं पनिहारी का काम करता है। गांव में जिनके नल कनेक्शन नहीं है वे सब यहीं से पानी भरकर लाते हैं। इसके अलावा सिंचाई के लिए भी इसी पानी का उपयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि एक हजार की आबादी वाले इस गांव में बड़ी संख्या में लोग इस कुएं का उपयोग करते हैं।

सूचना मिलते ही सायरा थाने के एएसआई भंवर सिंह राजपूत पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी सूचना दी गई है। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द दोषियों को गिरफ्तार करे और कुएं के पानी की वैज्ञानिक जांच करवाई जाए ताकि किसी बड़ी अनहोनी से बचा जा सके। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि जब तक पानी की जांच रिपोर्ट नहीं आवे तब तक इसे पीने में काम नहीं लेवें।

बजरी माफिया ने युवक को क्रेन से उल्टा लटकाकर मारा

ब्यावर, (निसं)। बजरी माफिया द्वारा युवक को क्रेन से उल्टा लटकाकर मारने का मामला सामने आया है। पिछले दिनों रायपुर में यह घटना घटित हुई। युवक पर डीजल चोरी करने का आरोप था जिस पर उसे अमानवीय तरिके से मारपीट की गई।

- **युवक को बेल्ट से मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ**

प्राप्त जानकारी के अनुसार उसे की घंटो तक ऐसी सज़ा दी गई जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। घटनाक्रम का वीडियो वहां किसी ने बना लिया था। हालांकि वीडिओ दो दिनों बाद सोशल मीडिया पर आया लेकिन युवक के अस्पताल में भर्ती हो जाने से भी जानकारी सामने आने लगी थी। क्रेन पर उल्टा लटकाकर बेल्ट से मारने का वीडिओ सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने गुड़िया ग्राम से आरोपी तेजपाल और परमेश्वर को राउंडअप किया है। पीड़ित याकूब को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि पुलिस ने पांच आरोपियों को नामजद किया है। बताया जा रहा है की आरोपी पहले से ही हिस्ट्रीशीटर है। पीड़ित के बयान के बाद, काठात समाज और आमजन की मांग पर जांच कार्यवाही तेजी से जारी है। यह भी जानकारी में आया है कि मामले को दबाने के काफी प्रयास किये गए।

विदेशी करेंसी का लालच देकर कारोबारी से 3.50 लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाले एक कारोबारी को शातिर ठगों द्वारा विदेशी करेंसी दिरहम आधी कीमत पर देने का लालच देकर करीब साढ़े तीन लाख रुपए की ठगी कर शिकार बनाने का मामला सामने आया है। शातिर ठग कारोबारी को नकली विदेशी करेंसी के नाम पर कागज की गड्डियां थमाकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को अज्ञात शातिर ठगों के खिलाफ शिकायत देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ठगों की तलाश शुरू कर दी है।

- **शातिर ठग कारोबारी को नकली विदेशी करेंसी के नाम पर कागज की गड्डियां थमाकर फरार हो गए**

अलवर गेट थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित कड़ैल निवासी ऑप्टिकल कारोबारी शमशुद्दीन ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी दुकान पर एक महिला दो युवकों के साथ खरीदारी करने आई थी।

महिला ने यूएई की करेंसी दिरहम दिखाते हुए कहा कि वह आधी कीमत पर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा दे सकती है। कारोबारी ने शक जाहिर किया तो महिला ने कहा कि वह जांच करवा सकता है। पुष्कर में मुद्रा विशेषज्ञों से पुष्टि कराने पर नोट असली निकला, जिससे कारोबारी शमशुद्दीन ने उन पर भरोसा कर लिया और इसके बाद महिला ने कारोबारी को अजमेर बुलाया और वह साढ़े तीन लाख रुपए लेकर नसीराबाद रोड स्थित नगरा पहुंचा, जहां उसे दो युवक मिले जिन्होंने खुद को महिला का सहयोगी बताया। युवकों ने बैग में दिरहम की गड्डियां दिखाईं और जल्दबाजी में रकम लेकर पास की खालसा गली में चले गए। जब कारोबारी ने बैग की जांच की, तो उसमें कागज की गड्डियां निकली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों की पहचान कर जांच शुरू कर दी गई है।

चार नकाबपोश बदमाशों ने जेवरात व्यवसायी को लूटा

नोखा, (निसं)। कस्बे में देर रात एक जेवरात व्यापारी अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था। तभी बाइपास सड़क पर अज्ञात बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया और सोने-चांदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

- **35 ग्राम सोना और ढाई किलो चांदी के जेवर से भरा बैग छीनकर फरार हुए**

जानकारी के अनुसार हियांदेसर गांव निवासी देवीलाल सोनी की जेवरात की दुकान नोखा गांव से बाइपास को जोड़ने वाले सड़क मार्ग पर स्थित है। वह हमेशा की तरह रात दुकान बंद कर गांव की ओर रवाना हुआ। इसी दौरान बाइपास सड़क मार्ग पर दो बाइकों पर सवार चार युवक आए, जिनके मुंह कपड़े से ढके हुए थे। उन्होंने देवीलाल को धक्का देकर गिरा दिया और सोने-चांदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, बैग में 35 ग्राम सोना और ढाई किलो चांदी के जेवरात थे, जिनकी कीमत लगभग 8 से 10 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर नोखा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच प्रारंभ की है। थाना अधिकारी अमित स्वामी ने बताया कि लूट की सूचना मिली है और मामले की जांच की जा रही है।

खेत की कंटीली बाड़ में आग लगी

राजसमंद, (निसं)। कुंवारिया थाना क्षेत्र के फियावडी पंचायत के गांडरियावास गांव में एक खेत की कंटीली बाड़ में आग लगने से किसानों में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना बालूराम और रामलाल गाडरी के खेत में हुई, जहां लगभग 300 फीट लंबी कंटीली बाड़ जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह किसान अपने खेत पर काम कर रहे थे तभी अचानक बाड में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि बाड़ के पास खड़े अंग्रेजी बबूल के पेड़ भी इसकी चपेट में आ गए। इतना ही नहीं, नीलगायों से फसल बचाने के लिए खेत के आगे लगाई गई लोहे की जाली भी आग की भेंट चढ़ गई, जिससे किसानों को नुकसान हुआ।

पिस्टल लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

पुलिस की नाकाबंदी देख भागने लगा, घेराबंदी कर पकड़ा

पुलिस ने पिस्टल लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया।

कपासन, (निसं)। कपासन में पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान में एक युवक को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी सुधीर जोशी के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत ये कार्रवाई की गई।

एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी हरजीलाल यादव के सुपरविजन में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। सूचना थी कि एक युवक अवैध हथियार लेकर कपासन से सणयारड़ा रोड की तरफ जा रहा है। पुलिस ने तालाब की पाल पर नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान युवक पैदल आता दिखा। पुलिस को देखकर वो भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर मोमिन मोहल्ला, कपासन निवासी शबीर अंसारी (21) को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में शबीर संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। तलाशी में उसके पास से एक पिस्टल बरामद हुई। उसके पास पिस्टल रखने के वैध दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने पिस्टल जब्त कर शबीर को गिरफ्तार कर लिया। थाना कपासन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में शंकर लाल, लक्ष्मीनारायण, रामपाल, देवीलाल, युवराज सिंह और जितेन्द्र की विशेष भूमिका रही।

अवैध पत्थर परिवहन करते तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सांभरझील, (निसं)। उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा की निर्देशानुसार थानाधिकारी नरायना धर्म सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर अवैध पत्थर परिवहन करने वालों के खिलाफ ठोस कदम उठाते हुए शिकंजा कसा। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई करते हुए साखुन चौकी के पास सिपुरा रोड़ से अवैध पत्थर भरकर परिवहन कर रहे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को पत्थरों सहित जब्त किया। चालक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए साखून से हटपुरा रोड़से अवैध पत्थर भर कर परिवहन कर रहे एक बिना नम्बरी ट्रैक्टर ट्रोली को जब्त किया गया व चालक को गिरफ्तार किया गया है। वहीं नरैना में पुलिया के पास अवैध शराब का बेचान करते एक आरोपी को गिरफ्तार कर कब्जे से 48 पव्वे देशी शराब के जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपी नानूराम पुत्र पांचूराम माली, रामकुंवार पुत्र कल्याण बागरिया, राकेश पुत्र रामचन्द बागरिया, किशनलाल पुत्र भैरुराम हैं।

नकबजनी मामले में वांटेड गिरफ्तार, 37 तोला सोने के जेवरात बरामद

उदयपुर, (निसं)। सविना थाना पुलिस ने फ्लेट में नकबजनी करने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित मुकेश पुत्र मांगीलाल चौधरी निवासी पीपलखेडा डूंगला चित्तौड़गढ़ हॉल फ्लेट नं. 401 बी ब्लॉक कृष्णांगन अपार्टमेंट न्यू विद्यानगर सेक्टर 4 हिरणमगरी ने हिरणमगरी पुलिस थाने पर रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि 20 मई 2023 को मेरी पत्नी बच्चों सहित मेरे ससुराल धुणीमाता डबोक चले गए एवं 28 मई को मैं आवश्यक कार्य होने से जयपुर चला गया। 29 को सांय मेरे आफिस स्टाफ जितेन्द्र सिरवी को फ्लेट देखने भेजा था। 30 मई को दूध देने वाले रामलाल ने फोन कर मकान का ताला टूटा होने की सूचना दी। इस पर पत्नी दिपिका को वहां भेजा तो ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी से मेरे सात लाख तथा मित्रों से कारोबार के लिए उधार लिए 33 लाख कुल 40 लाख नकदी व 37 तोला सोने के जेवरात गायब थे। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी राव अजयसिंह के नेतृत्व गिरफ्तार आरोपियों से की गई पूछताछ में पता चला कि शातिर नकबजन रमेश उर्फ रम्मू उर्फ रामू ने प्रकरण का माल गौरव जैन को बेचना बताया। इस पर शातिर अभियुक्त गौरव जैन पुत्र गजेन्द्र जैन निवासी बोरी अलीराजपुरा एमपी हॉल जगदम्बा नगर डी गिरधारीपुरा सांगानेर जयपुर को केन्द्रीय कारागृह विशाखापट्टनम आंध्रप्रदेश से जरिये प्रोडेक्शन वारंट गिरफ्तार कर 37 तोला सोने के जेवरात बरामद किए। आरोपी के खिलाफ कई जगहों से चोरी का माल खरीदने के प्रकरण दर्ज हैं। जिसकी पुलिस तलाश में थी। इस मामले में अब तक चोरी किए 37 तोला सोने के जेवरात व 20 लाख रूपये नकदी बरामद हो चुकी है।

भीड़ ने पिकअप वाहन में आग लगाई

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र में गोरक्षा के नाम पर हिंसा की एक गंभीर घटना सामने आई है। बीती रात को फुलिया खुर्द गांव निवासी राजू लुहार, नाहर मोहम्मद (प्रतापगढ़ निवासी), और गोपाल रैगर (पिकअप चालक) हमीरगढ़ क्षेत्र से दो जर्सी गाय और एक बछड़ा खरीदकर पिकअप वाहन में लेकर फुलिया खुर्द लौट रहे थे। इसी दौरान मांडल पुलिस चौकी के पास कुछ लोगों ने उनकी पिकअप को जबरन रुकवा लिया। पिकअप में सवार लोगों ने उन लोगों को समझाने की कोशिश की कि उन्होंने पशुओं को कानूनी तरीके से खरीदा है और किसी प्रकार की अवैध गतिविधि नहीं हो रही है। बावजूद इसके, भीड़ ने उनकी बात नहीं मानी। जब स्थिति तनावपूर्ण होती गई, तब सवार लोगों ने स्वयं ही नजदीकी मांडल पुलिस चौकी जाकर मामले की जानकारी दी।

चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पूरी स्थिति की जांच कर पशुओं की खरीद की जानकारी ली और यह स्पष्ट किया कि सभी गतिविधियां वैध हैं। इसके बाद पुलिस ने पिकअप को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी। हालांकि, चौकी से कुछ ही दूरी पर एक बार फिर भीड़ इकट्ठा हो गई और उन्होंने पिकअप को दोबारा रोक लिया। इसके बाद स्थिति हिंसक हो गई। भीड़ ने वाहन में सवार तीनों लोगों को नीचे उतारकर पिकअप वाहन में आग लगा दी।